FYUG SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
Fifth Semester
DSC -301
Credit - 4
HINDI EKANKI AUR NATAK
हिन्दी एकांकी और नाटक

इकाई एक : नाटक और एंकाकी की परिभाषा। नाटक एवं एकांकी के तत्व। हिंदी नाटक एवं एकांकी के प्रकार एवं उनकी विशेषताएँ।

इकाई दो : नाटक

अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र)

इकाई तीन : नाटक

'ध्रुवस्वामिनी' (जयशंकर प्रसाद)

इकाई चार : नाटक

'आधे अधूरे ' (मोहन राकेश)

इकाई पाँच : एकांकी

निम्नलिखित तीन एकांकी :

1. .भोर का तारा (जगदीशचन्द्र माथुर)
2. मम्मी ठकुराइन (लक्ष्मी नारायण लाल)
3. रीड की हड्डी (जगदीशचन्द्र माथुर)

(प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक : 'एकांकी सप्तक' संपादक : डॉ. चम्पा श्रीवास्तव एवं प्रो. राजेन्द्र कुमार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

निर्देश : HIN(Hon) Core-502

1. क– इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल **पाँच इकाइयों** में विभक्त है और **06 क्रेडिट** का है। 05 क्रेडिट व्याख्यानों के लिए एवं 01 क्रेडिट टिटोरियल के लिए निर्धारित है।

   ख– यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा(ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।

Learnfo

ग– आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक हैं। इस पर प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक हैं।

P.T.O.

2.– इस प्रश्नपत्र की मुख्य परीक्षा में **इकाई एक** से चार निबंधात्मक (परंतु अपेक्षाकृत लघूत्तरी) प्रश्नपूछे जायेंगे। परीक्षार्थी दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 07 अंकों का होगा। इस प्रकार यह इकाई 14 अंकों की होगी।

ख – **इकाई दो, तीन और चार के** अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो–दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न एवं निर्धारित पाठों से दो – दो अंश व्याख्या के हेतु दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को इकाई दो, तीन और चार के अंतर्गत प्रत्येक से एक एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न एवं एक–एक व्याख्या करनी है। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक एवं व्याख्या के लिए 04 अंक निर्धारित हैं।

संदर्भग्रंथ सूची :

1. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
2. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पनाः सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
6. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता, प्रों0 रमेश गौतम, स्वराज्य प्रकाशन।
8. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी ,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
9. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश : गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. मोहन राकेश के नाटकों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन : अब्दुल सुभान, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली।

Learnfo